द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस पर...

हज़ारों लोगों ने कतारबद्ध 'शक्ति स्तम्भ' पर दादी जानकी को किये अपने श्रद्धा सुमन अर्पित

शांतिवन-आबू रोड। पूरी दुनिया में एक सदी तक मानवता का बीज बोने वाली ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी का दूसरा पुण्य स्मृति दिवस वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दादी का जीवन हमेशा ही मानवता की सेवा में गुज़रा। उन्होंने ज्ञान-योग की शक्ति से पश्चिमी देशों के लोगों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी बहन व राजयोगिनी ब्र.कु. जयन्ति बहन, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी बहन, महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय, दादी की सचिव रहीं ब्र.कु. हंसा बहन समेत वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दादी के स्मृति स्थल 'शक्ति स्तम्भ' पर कुछ समय मौन रहकर श्रद्धांजलि दी एवं अपनी-अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस मौके पर देश-विदेश से आये हज़ारों लोगों ने भी शांतिपूर्ण स्थिति में कतारबद्ध होकर दादी को अपने भावभरे श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मानवता के संरक्षक-सामाजिक कार्यकर्ता

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हरियाणा भवन में आयोजन

गुवाहाटी-रूपनगर(असम)। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र एवं समाज सेवा प्रभाग द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत गुवाहाटी के हरियाणा भवन में आयोजित कार्यक्रम 'मानवता के संरक्षक-सामाजिक कार्यकर्ता' विषय पर सम्बोधित करते हुए आवास एवं शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि यह मन ही है जिस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि ये निरंतर भटकता रहता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथों के अनुसार इस लक्ष्य को प्राप्त करने की एक सरल तकनीक भौतिक संसार के प्रति वैराग्य विकसित करना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और महानगर संघसंचालक गुरुप्रसाद मेधी ने आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा समाज के कल्याण में की गई सेवाओं के लिए ब्रह्माकुमारीज़ का धन्यवाद किया। दिल्ली के राजयोगी ब्र.कु. राकेश भाई ने कार्यक्रम की थीम पर चर्चा करते हुए कहा कि यह बहुत बड़ा सामाजिक लाभ है कि ब्रह्माकुमारियां राजयोग ध्यान का अभ्यास करा के और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करके मन के नकारात्मक पैटर्न को दूर करने का रास्ता दिखा रही हैं। ब्र.कु. विजय कुमार गुप्ता,चेयरमैन,असम वित्तीय निगम व भाजपा असम प्रदेश के मीडिया पैनलिस्ट ने 1999 में ब्रह्माकुमारी संगठन से जुड़ने के बाद के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान का अध्ययन करके सकारात्मक सोच की कला

सीखी और विरोधियों की आलोचना को छोड़ अपने सफल राजनीतिक जीवन का निर्माण करने में सक्षम रहे। राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी,उपक्षेत्रीय निदेशिका, ब्रह्माकुमारीज़,असम,मेघालय,मणिपुर,अरुणाचल,मिजोरम,बांगलादेश सेवाकेन्द्र ने सही मायने में समाज सेवा के क्षेत्र में सभी से 'मैं और मेरा' को छोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिए समाज की सेवा भी किसी के मन में अहंकार का निर्माण कर सकती है और इससे सुरक्षित रहने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्वयं को सर्वशक्तिमान ईश्वर का एक उपकरण मान लें। तत्पश्चात् उन्होंने शहर के पंद्रह प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनकी प्रमुख सेवाओं के लिए सम्मानित किया। राजयोगिनी ब्र.कु. जोनाली बहन,संचालिका, ब्रह्माकुमारीज़,नलबाड़ी,बरपेटा एवं बस्का सेवाकेन्द्र ने अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत किया एवं भरलुमुख सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा बहन ने सभी का धन्यवाद किया। राजयोगिनी ब्र.कु. मौसमी बहन, संचालिका न्यू गुवाहाटी सेवाकेन्द्र ने कुशल मंच संचालन किया।

गीत-संगीत संध्या और मुल्ययुक्त प्रबोधन का आयोजन

चंद्रपुर-महा। ब्रह्माकुमारीज़ के कला एवं संस्कृति प्रभाग चंद्रपुर द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत स्थानीय पुलिस हेडक्वार्टर्स,फुटबॉल ग्राउंड में देशभक्ति पर 'गीत संगीत संध्या और मूल्ययुक्त प्रबोधन' कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। बॉलिवुड सिंगर इंडियन आइडल हरीष मोयल, मानसी भारद्वाज, बाल कलाकार नित्या मोयल व देव मोयल की मनभावन प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित राखीताई कंचर्लावार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेशबाबु पुगलिया, पूर्व केंद्रीय गृहराज्यमंत्री हंसराज अहीर ने कहा कि समाज में शांति प्रस्थापित करने का काम ब्रह्माकुमारी संस्था बखूबी कर रही है। ये स्वर्णिम दुनिया का निर्माण करके ही दम लेगी। माउंट आबू से ब्र.कु. दयाल भाई, ब्र.कु. सतीष भाई, ब्र.कु. नितिन भाई, गामदेवी मुम्बई से ब्र.कु. निहा बहन व करनाल से ब्र.कु. प्रेम बहन ने प्रेरणादायी संदेश दिया। मौके पर मूल्य शिक्षा में सराहनीय कार्य करने वालों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आर्ट एंड कल्चर विंग की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ब्र.कु.कुसुम दिदी, दादी प्रकाशमणि, दादी हृदयमोहिनी व दादी जानकी को मोमबत्तियां जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।

सहनशीलता व मित्रता से परिपूर्ण थीं दादी जानकी

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के 'सर्चलाइट' भवन में दादी जानकी के द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू बहन ने कहा कि दादी जानकी को स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त किया गया था। इसके अलावा उन्हें देश-विदेश में सम्मानित किया गया। दादी जानकी हमारे देश की गौरव थीं। उनके अंदर सहनशीलता, मित्रता का भाव था। मुख्य अतिथि सुनहरी मस्जिद के सदाकत हुसैन ने कहा कि संसार में हमें दो लोगों से हर वस्तु मिलती है। फल, सब्जी, अन्न धरती माता से एवं परम पिता से सच्चाई, प्रेम, मोहब्बत। जिस प्रकार फूल के डाली पर लगे रहने से वो सुगंधित एवं खिला रहता है, उसी प्रकार पिता एवं परिवार से जुड़े रहने से ही हमें सुख-शांति की प्राप्ति होती है। गुरुद्वारा लोहाई रोड के ज्ञानी गुरुवचन सिंह ने पुण्य कर्मों की विस्तारपूर्वक व्याख्या प्रस्तुत की। व्यापारी नेता अरुण प्रकाश तिवारी दुदुआ ने कहा कि जो व्यक्ति नियम, संयम, आचार विचार एवं ईश्वर की आस्था के साथ कार्य करता है वह सदैव दीर्घायु होता है। इस मौके पर डॉ. श्रीकृष्ण गुप्त, सुरेश गोयल, शिवराम कश्यप आदि मौजूद रहे। जयनरायन वर्मा रोड स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर ब्र.कु. सुमन बहन ने श्रद्धासुमन अर्पित कर दादी जानकी को याद किया और कहा कि वह हमेशा सभी को अपने बच्चों की तरह मानती थीं।

जीवन में तीन बातों को अपनाने से होगा सभी समस्याओं का समाधान

दिल्ली-डिफेंस कॉलोनी। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'आज के समय में सुकून भरा जीवन कैसे जीएँ' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसकी शुरुआत परिचर्चा के साथ हुई, जिसमें विभिन्न प्रश्नों के द्वारा सबके मन के भावों को रखने का प्रयास किया गया। सभा में उपस्थित लोगों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों एवं समस्याओं के समधान में मुख्य वक्ता खानपुर सेवाकेंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि भौतिक सुख तो बहुत है और दिन-प्रतिदिन बढ़ते भी जा रहे हैं, लेकिन भौतिक सुखों से सच्चा स्थायी सुख नहीं मिल पा रहा। थोड़े समय के लिए लगता है कि मेरी सारी इच्छायें पूरी हो गयी, घर पर भी सब सेट हो गया, बच्चे भी सेटल हो गए, अब लगता है कि हम चैन, सुकून से जीएंगे। यह एक मृग मरीचिका की तरह है जो देखने में लगता है कि हो गया, लेकिन पूरी ज़िंदगी भागने के बाद भी सुकून नहीं मिलता। सुकून के लिए पहली चीज़ स्वच्छता, दूसरा विश्राम, तीसरी आत्म अनुभूति। इसके बाद उन्होंने कहा कि हम सभी बाहरी दिखावे पर ज़्यादा ध्यान देते हैं जिससे हमारी स्थिति ऊपर-नीचे हो जाती है। परचिंतन, परदर्शन, परमत के द्वारा भी टेंशन उत्पन्न होता है। अपने आत्मिक स्वरूप का चिंतन ही सुखदायी अनुभव कराता है। इसलिए सबसे पहले स्वयं पर उपकार करो कि मुझे अच्छा रहना है। प्रश्नों की श्रृंखला में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा दीदी से पूछे गए प्रश्न कि स्वयं को हल्का कैसे रखें, के उत्तर में उन्होंने बताया की भले ये तन हमारा है, लेकिन करन-करावनहार एक परमात्मा है। हम ये सोच कर कार्य करेंगे कि ईश्वर मेरे साथ कार्य कर रहा है तो इससे हमारी शक्तियाँ बढ़ जाती हैं और हम हल्के रहते हैं। एम्स,नई दिल्ली,न्यूक्लियर मेडिसिन में एमएससी कर रहे सचिन भाई ने कहा कि हमारी गलत सोच के कारण हमें कैंसर जैसी बीमारी का सामना करना पड़ रहा है। अगर हमारा जीवन सुकून भरा है, तो निश्चित रूप से इससे बच सकते हैं। ब्र.कु. एकता बहन ने कार्यक्रम की थीम को लेकर बहुत सुंदर मेडिटेशन कराया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. अनु बहन ने बखूबी किया। कार्यक्रम में लगभग 125 से अधिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में आर.डब्ल्यू.ए. के अध्यक्ष राजीव गोयल तथा नव-प्रेरणा महिला संगठन की प्रमुख रविंदर पूरी ने भी कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभभावनाएं रखीं।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th April, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News : www.omshantimedia.org